



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 215 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 27, 2004/फाल्गुन 8, 1925

No. 215]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 27, 2004/PHALGUNA 8, 1925

विधि और न्याय मंत्रालय

( विधायी विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2004

का.आ. 272(अ).—केन्द्रीय सरकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात्, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्वाचनों का संचालन (संशोधन) नियम, 2004 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 में,—

(1) नियम 42 के उपनियम (4) के अंत में निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा,

अर्थात् :—

‘परन्तु जहां ऐसा निर्वाचक राज्य सभा में किसी स्थान या स्थानों को भरने के लिए किसी निर्वाचन में किसी राजनैतिक दल का सदस्य है, वहां पीठासीन आफिसर निविदत्त मतपत्र को उक्त लिफाफे में रखने से पूर्व उस राजनैतिक दल के प्राधिकृत अभिकर्ता को यह सत्यापित करने के लिए अनुज्ञात करेगा कि निर्वाचक ने अपना मत किस अभ्यर्थी को दिया है ।

स्पष्टीकरण— इस नियम के प्रयोजनों के लिए, किसी राजनैतिक दल के संबंध में “प्राधिकृत अभिकर्ता” से परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में उस राजनैतिक दल द्वारा नियम 70 के खंड (ii) द्वारा यथा लागू नियम 39कक के उपनियम (2) के अधीन, नियुक्त कोई प्राधिकृत अभिकर्ता अभिप्रेत है।’;

(2) नियम 49 के उपनियम (3) के खंड (च) द्वारा अधिसूचित मतदान केन्द्रों को यथा लागू नियम 42क के उपनियम (5) के अंत में निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु जहां उपनियम (3) में निर्दिष्ट व्यक्ति राज्य सभा में किसी स्थान या स्थानों को भरने के लिए किसी निर्वाचन में किसी राजनैतिक दल का सदस्य है, वहां पीठासीन आफिसर, उपनियम (3) में किसी बात के होते हुए भी, उक्त लिफाफे में निविदत्त मतपत्र को रखने से पूर्व, उस राजनैतिक दल के प्राधिकृत अभिकर्ता को यह सत्यापित करने के लिए अनुज्ञात करेगा कि ऐसे व्यक्ति ने अपना मत किसे दिया है।”;

स्पष्टीकरण— इस नियम के प्रयोजनों के लिए, किसी राजनैतिक दल के संबंध में “प्राधिकृत अभिकर्ता” से परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में उस राजनैतिक दल द्वारा नियम 70 के खंड (ii) द्वारा यथा लागू नियम 39कक के उपनियम (2) के अधीन नियुक्त प्राधिकृत अभिकर्ता अभिप्रेत है।’;

(3) नियम 67 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

‘67. परिभाषा- जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस भाग में—

(क) और नियम 84 में, राजनैतिक दल के संबंध में, “प्राधिकृत अभिकर्ता” से परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में उस राजनैतिक दल द्वारा नियम 70 के खंड (ii) द्वारा यथा लागू नियम 39कक के उपनियम (2) के अधीन, उस राजनैतिक दल द्वारा नियुक्त प्राधिकृत अभिकर्ता अभिप्रेत है ;

(ख) “निर्वाचन” से सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन या परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन अभिप्रेत है।’;

(4) परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत्त पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में नियम 70 के खंड (ख) के उपखंड (ii) द्वारा यथा लागू नियम 38क में,-

(क) उपनियम (2) में,-

(i) खंड (ग) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ग) निर्वाचक नामावली की चिह्नित प्रति में निर्वाचक का नाम यह उपदर्शित करने के लिए चिह्नित करेगा कि उसे मतपत्र दिया गया है,-

(i) राज्य सभा में किसी स्थान या स्थानों को भरने के लिए किसी निर्वाचन की दशा में, निर्वाचन नामावली की चिह्नित प्रति में उस निर्वाचक को दिए गए मतपत्र का क्रम संख्यांक अभिलिखित करेगा ;

(ii) किसी राज्य की विधान परिषद् में किसी स्थान या स्थानों को भरने के लिए किसी निर्वाचन की दशा में, निर्वाचक को दिए गए मतपत्र पर क्रम संख्यांक उसमें अभिलिखित नहीं करेगा।’;

(ii) परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु कोई भी मतपत्र तब तक किसी निर्वाचक को परिदत्त नहीं किया जाएगा, जब तक उसने उस मतपत्र के प्रतिपुर्ण पर अपने हस्ताक्षर न कर दिए हों या अंगूठे का निशान न लगा दिया हो।’;

(ख) उपनियम (4) में, “कोई भी व्यक्ति” शब्दों के स्थान पर, “नियम 39कक के अधीन रहते हुए कोई भी व्यक्ति” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ;

(ग) उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(5) किसी राज्य की विधान परिषद् में किसी स्थान या स्थानों को भरने के लिए सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में या स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन-क्षेत्र में किसी निर्वाचन में किसी निर्वाचक को कोई मतपत्र परिदत्त किए जाने से पूर्व मतपत्र का क्रम संख्यांक प्रभावी रूप से ऐसी रीति में छिपाया जाएगा, जैसी निर्वाचन आयोग निर्दिष्ट करे।”;

(5) परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत्त पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में नियम 70 के उपखंड (ii) द्वारा यथा लागू नियम 39क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“39कक. मत देने के बारे में सूचना— (1) नियम 39क में किसी बात के होते हुए भी, पीठासीन आफिसर, उस अवधि के दौरान जब कोई निर्वाचक किसी राजनैतिक दल का सदस्य होते हुए मतपत्र पर अपना मत अभिलिखित करता है और उससे पूर्व जब ऐसा निर्वाचक मतपत्र को मतपेटी में डालता है, उस राजनैतिक दल के प्राधिकृत अभिकर्ता को यह सत्यापित करने के लिए अनुज्ञात करेगा कि ऐसे निर्वाचक ने अपना मत किसे दिया है :

परन्तु यदि ऐसा निर्वाचक अपने राजनैतिक दल के प्राधिकृत अभिकर्ता को अपना चिह्नित मतपत्र दिखाने से इंकार करता है तो उसे दिया गया मतपत्र पीठासीन आफिसर या पीठासीन आफिसर के निदेश के अधीन मतदान आफिसर द्वारा वापस ले लिया जाएगा और इस प्रकार वापस लिए गए मतपत्र पर नियम 39क के उपनियम (6) से उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट रीति में आगे इस प्रकार कार्रवाई की जाएगी मानों ऐसा मतपत्र उस नियम के उपनियम (5) के अधीन वापस लिया गया था ।

(2) प्रत्येक राजनैतिक दल, जिसका सदस्य निर्वाचक के रूप में किसी मतदान केन्द्र पर मत देता है, उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिए, प्ररूप 22क में दो प्राधिकृत अभिकर्ता नियुक्त करेगा ।

(3) उपनियम (2) के अधीन नियुक्त कोई प्राधिकृत अभिकर्ता मतदान केन्द्र पर संपूर्ण मतदान के घंटों में उपस्थित रहेगा और दूसरा उसे तब मुक्त करेगा जब वह मतदान केन्द्र से बाहर जाता है या विपर्ययन ।”।

(6) नियम 73 के उपनियम (2) में, “वह मतपत्र अविधिमान्य होगा” शब्दों के स्थान पर “परिषद् निर्वाचन क्षेत्र में और नियम 68 के खंड (क) के अधीन डाकमत पत्र से भिन्न सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचन में नियम 70 के खंड (ii) में यथा उपांतरित नियम 38क के अधीन रहते हुए वह मतपत्र अविधिमान्य होगा ” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ;

(7) नियम 84 के उपनियम (2) के अंत में, निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु जहां ऐसी गणना राज्य सभा का कोई स्थान या स्थानों के भरने के लिए किसी निर्वाचन से संबंधित है वहां रिटर्निंग आफिसर खंड (ख) के अधीन पैकेटों को मुद्रांकित करने से पूर्व, किसी राजनैतिक दल के प्राधिकृत अभिकर्ता को यह सत्यापन करने के लिए अनुज्ञात करेगा कि निर्वाचकों ने उस राजनैतिक दल के सदस्यों के रूप में अपने मत किसे दिए हैं ।”;

(8) इससे संलग्न प्ररूप 22 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप 22क

[नियम 39कक(2) देखिए]

नियुक्ति पत्र

..... का निर्वाचन

मैं..... जो ..... दल

का \*अध्यक्ष/महासचिव हूँ, निम्नलिखित व्यक्तियों को नियम \*39कक/नियम 42/नियम 42क/नियम 84 के अधीन यह सत्यापित करने के लिए कि निर्वाचकों ने, जो उक्त

राजनैतिक दल के सदस्य हैं, किसे अपने मत दिए हैं, प्राधिकृत अभिकर्ताओं के रूप में नियुक्त करता हूँ। पूर्वोक्त प्राधिकृत अभिकर्ताओं की फोटो नीचे चिपकी है और यह मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से अनुप्रमाणित है।

प्राधिकृत अभिकर्ताओं के नाम

प्राधिकृत अभिकर्ताओं के पते

1.....

2.....

राजनैतिक दल के \*अध्यक्ष/महासचिव के हस्ताक्षर

(मुद्रा)

हम प्राधिकृत अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए सहमत हैं

1.....

प्राधिकृत अभिकर्ता के हस्ताक्षर

2.....

फोटो के लिए स्थान

\* जो समुचित न हो उसे काट दें ।”।

[फा. सं. एच-11019(1)/99-वि. II]

एन. एल. मीना, संयुक्त सचिव और विधायी परामर्शी

टिप्पण—मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, अधिसूचना सं. का.आ. 859, तारीख 15 अप्रैल, 1961 में प्रकाशित किए गए थे और इन्हें अंतिम बार अधिसूचना सं. का.आ. 1294(अ), तारीख 11 नवम्बर, 2003 को संशोधित किया गया।

**MINISTRY OF LAW AND JUSTICE****(Legislative Department)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th February, 2004

**S.O. 272(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 169 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Central Government, after consulting the Election Commission, makes the following rules further to amend the Conduct of Elections Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Conduct of Elections (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Conduct of Elections Rules, 1961,—

(1) in rule 42, in sub-rule (4), the following shall be inserted at the end, namely:—

‘Provided that where such elector is a member of a political party in an election to fill a seat or seats in the Council of States, the presiding officer shall, before placing the tendered ballot paper in the said cover, allow the authorised agent of that political party to verify as to which candidate the elector has cast his vote.

*Explanation.*— For the purposes of this rule, “authorised agent”, in respect of a political party, means an authorised agent appointed, under sub-rule (2) of rule 39AA as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68, by that political party.’;

(2) in rule 42A as made applicable, to notified polling stations, by clause (f) of sub-rule (3) of rule 49, in sub-rule (5), the following shall be inserted at the end, namely:—

‘Provided that where the person referred to in sub-rule (3) is a member of a political party in an election to fill a seat or seats in the Council of States, the presiding officer, notwithstanding anything contained in sub-rule (3), shall, before the

tendered ballot paper is placed in the said cover, allow the authorised agent of that political party to verify as to whom such person has cast his vote.

*Explanation.*- For the purposes of this rule, “authorised agent”, in respect of a political party, means an authorised agent appointed, under sub-rule (2) of rule 39AA as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68, by that political party.’;

(3) for rule 67, the following rule shall be substituted, namely:-

‘67. Definition.- Unless the context otherwise requires, in this Part-

(a) and in rule 84, “authorised agent”, in respect of a political party, means an authorised agent appointed, under sub-rule (2) of rule 39AA as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68, by that political party;

(b) “election” means an election by assembly members or an election in a council constituency.’;

(4) in rule 38A as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68,-

(a) in sub-rule (2),-

(i) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:-

“(c) mark the name of the elector in the marked copy of the electoral roll to indicate that a ballot paper has been issued to him,-

(i) and record in the marked copy of the electoral roll, the serial number of the ballot paper issued to that elector, in the case of an election to fill a seat or seats in the Council of States;

(ii) without recording therein the serial number of the ballot paper issued to that elector, in the case of an election to fill a seat or seats in the Legislative Council of a State.”;

(ii) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:-

“Provided that no ballot paper shall be delivered to an elector unless he has put his signature or thumb impression on the counterfoil of that ballot paper.”;



(b) in sub-rule (4), for the words "No person", the words, figures and letters "Subject to rule 39AA, no person" shall be substituted;

(c) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(5) Before any ballot paper is delivered to an elector at an election to fill a seat or seats in the Legislative Council of a State by assembly members or in a local authorities' constituency, the serial number of the ballot papers shall be effectively concealed in such manner as the Election Commission may direct.";

(5) after rule 39A, as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68, the following rule shall be inserted, namely:-

"39AA. Information regarding casting of votes.- (1) Notwithstanding anything contained in rule 39A, the presiding officer shall, between the period when an elector being a member of a political party records his vote on a ballot paper and before such elector inserts that ballot paper into the ballot box, allow the authorised agent of that political party to verify as to whom such elector has cast his vote:

Provided that if such elector refuses to show his marked ballot paper to the authorised agent of his political party, the ballot paper issued to him shall be taken back by the presiding officer or a polling officer under the direction of the presiding officer and the ballot paper so taken back shall then be further dealt with in the manner specified in sub-rules (6) to (8) of rule 39A as if such ballot paper had been taken back under sub-rule (5) of that rule.

(2) Every political party, whose member as an elector casts a vote at a polling station, shall, for the purposes of sub-rule (1), appoint, in Form 22A, two authorised agents.

(3) An authorised agent appointed under sub-rule (2) shall be present throughout the polling hours at the polling station and the other shall relieve him when he goes out of the polling station or *vice versa*.";

(6) in rule 73, in sub-rule (2), for the words "A ballot paper shall", the words, figures, letter and brackets "Subject to rule 38A as made applicable, by clause (ii) of rule 70, to election, in a council constituency and, by assembly members other than by postal ballot under clause (a) of rule 68, a ballot paper shall" shall be substituted;

(7) in rule 84, in sub-rule (2), the following proviso shall be inserted at the end, namely:-

"Provided that where such counting relates to an election to fill a seat or seats in the Council of States, the returning officer shall, before sealing the packets under

clause (b), allow the authorised agent of a political party to verify as to whom the electors being members of that political party have cast their votes.”;

(8) after Form 22 appended therewith, the following Form shall be inserted, namely:-

“FORM 22A  
[See rule 39AA(2)]

### Appointment letter

Election of the -----

I.....\*President/General Secretary of.....Party do hereby appoint the following persons as the authorised agents of the Party to verify under rule \*39AA/ rule 42/ rule 42A/ rule 84 as to whom the electors who are the members of the said political party have cast their votes. Photographs of the aforesaid authorised agents are pasted hereunder and is attested under my hand and seal.

Name of the authorised agents

Address of the authorised agents

1.....

2.....

Signature of \* President/  
General Secretary of the Party)

(Seal)

We agree to act as such authorised agents

Signature of the authorised agents

1.....

2.....

Space for the photographs

\*Strike off the inappropriate alternative.”.

[F. No. H-11019(1)/99-Leg. II]

N. L. MEENA, Jt. Secy. & Legislative Counsel

**Note :** The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary vide notification number S.O. 859, dated the 15<sup>th</sup> April, 1961 and last amended vide notification number S.O.1294 (E), dated the 11<sup>th</sup> November, 2003.